

संत धन्ना भगत जयंती

चर्चा में क्यों?

राजस्थान के [मुख्यमंत्री](#) ने जयपुर ज़िले के फागी क्षेत्र की नोखा-नाड़ी स्थिति संत धन्ना भगत जी की जन्मस्थली पर आयोजित जयंती महोत्सव में भाग लिया।



मुख्य बूँदः

- धन्ना भगत के बारे में:
 - वह एक रहस्यवादी कवि थे, जिनका जन्म 20 अप्रैल 1415 को हुआ था, तथा जिनके भजन 1999 2000 में संकलित हैं।
 - उनकी स्मृति में स्थापित गुरुद्वारे आज भी आस्था के केंद्र बने हुए हैं, जो सखि समुदाय के श्रद्धालुओं को आकर्षित करते हैं।
- जयंती महोत्सव के बारे में:
 - इस अवसर पर उन्होंने संत की शकिषाओं को आज के समय में भी प्रासंगिक बताते हुए राज्य सरकार की धार्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक योजनाओं की घोषणा की।
 - संत धन्ना भगत जी ने [भक्तभारु](#) को अपनाकर मानव सेवा और कर्म की प्रधानता का संदेश दिया।
 - उन्होंने जात-पात का वरिोध कर समाज में व्याप्त कुरीतियों को समाप्त करने हेतु साहित्य और उपदेशों के माध्यम से योगदान दिया।
 - धन्ना भगत जी को हट्टि और सखि समुदायों में समान श्रद्धा और सम्मान प्राप्त है।
 - मुख्यमंत्री ने संत को सामाजिक समानता, आध्यात्मिक जागरूकता और सरल जीवन का प्रतीक बताया।
- राज्य सरकार की घोषणाएँ और पहल:
 - पुजारियों के मानदेय में वृद्धिकरते हुए उसे ₹7500 प्रतिमाह किया गया।
 - मंदिरों में भोग की राशि ₹3000 प्रतिमाह तक बढ़ाई गई है।
 - धार्मिक स्थलों के उन्नयन हेतु ₹101 करोड़ तथा देवस्थान विभाग के अधीन राज्य के बाहर स्थित मंदिरों के लिये ₹60 करोड़ के कार्य स्वीकृत किये गए हैं।
 - वरषिठ नागरिकों की तीर्थ यात्रा योजना के तहत:
 - 6000 वरषिठजनों को हवाई मार्ग से यात्रा करवाई जाएगी।
 - 50,000 वरषिठजनों को AC ट्रेन से तीर्थ यात्रा कराई जाएगी।

